हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 28 .0 डिग्री

13 बीएससी नॉन मेडिकल छठे सेमेस्टर में पहला स्थान पाने पर सोनम सम्मानित

14 रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों के लिए रजिस्ट्रेशन 10 तक, 14 को जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

रविवार को दो सत्रों में 9827 में से 8047 अभ्यर्थियों ने दी एचटेट टीजीटी व पीआरटी लेवल की परीक्षा

कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ एचटेट: चेकिंग के दौरान नॉजपिन, बाली व कलावे तक खुलवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से रविवार को जिले में दो शिफ्टों में हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा यानि एचटेट का संचालन किया गया। सुबह के सत्र में 23 परीक्षा केंद्रों पर लेवल-2 टीजीटी की परीक्षा एवं शाम के सत्र में 8 परीक्षा केंद्रों लेवल-1 पीआरटी की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर सुबह के सत्र में 7287 अभ्यर्थियों में से 6109 अभ्यर्थियों ने एग्जाम दिया, जबकि 1178 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। शाम की शिफ्ट में 2540 अभ्यर्थियों में से 1938 ने एचटेट दिया, जबकि 602 अभ्यर्थी अनुपस्थित थे। जिले में दो सत्रों में 9827 में से 8047 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी तथा 1780 अभ्यर्थी गैर हाजिर थे। दो दिन तक तीन सत्र में आयोजित हुई परीक्षा में 14 हजार 282 में से 11814 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और 2468 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर जैमर व सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले एंट्री गेट पर अभ्यर्थियों के कागजातों की जांच के साथ मेटर डिटेक्टर से जांच, बायोमैट्रिक हाजरी व टैब पर फोटो के मिलान के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों में एंट्री दी गई। परीक्षा केंद्र में महिला अभ्यर्थियों को नाक की लोंग, कान की बाली व हाथों के आभूषण को पहनकर जाने के अनुमति नहीं रही। यहां तक कि महिला व पुरुषों के कलाई पर बांधे डोरे भी खुलवाएं गए।

परीक्षा केंद्र में लगाए गए वॉलेंटियर्स ने महिला व पुरुष अभ्यिर्थियों के जूते खुलवाकर व कपड़ों की अच्छी तरह से तलाशी ली। परीक्षा के पारदर्शी व सफल संचालन के लिए डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा सहित हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के उड़न दस्तों ने केंद्रों का निरीक्षण किया।

रेवाड़ी। टीजीटी का पेपर छूटने के बाद परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़। फोटो: हरिभूमि

महिला आधार कार्ड घर पर भूली तो पुलिस ने थाने से निकलवाया

रविवार को अहीर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एचटेट के दौरान सराहनीय कार्य किया। ड्यूटी पर तैनात एसएचओ सिटी निरीक्षक सूबे सिंह और उनकी टीम ने एक महिला अभ्यर्थी का साल खराब होने से बचा लिया। सुबह की शिफ्ट में केंद्र पर लेवल-2 टीजीटी की परीक्षा देने पहुंची महिला परीक्षार्थी अपना मूल आधार कार्ड घर पर ही भूल आई थी। पहचान पत्र के बिना उसे केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जा रहा था। आसपास के सभी साइबर कैफे और फोटो कॉपी की दुकानें बंद होने के कारण अभ्यर्थी परेशान और हताश हो गई थी। एसएचओ सिटी सूबे सिंह परीक्षार्थी को अपनी गाड़ी से तुरंत सिटी थाने में ले गए और पुलिस थाने के सिस्टम से उसके आधार कार्ड का प्रिंट आउट निकाल कर परीक्षार्थी को वापस केंद्र पहुंचाया।

रेवाड़ी। टीजीटी का पेपर देकर बाहर आते हुए परीक्षार्थी। फोटो: हरिभूमि

पूरी तरह जांच के बाद एंट्री

रविवार को एचटेट के लिए अभ्यर्थियों की परीक्षा समय से 2 घंटे पहले एंट्री शुरू की गई ताकि बायोमैट्रिक हाजरी व डाटा एंट्री के कार्य किए जा सकें। प्रशासन की ओर से सुरक्षा को लेकर परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, जैमर, चेकिंग प्वाइंट सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए गए। किसी भी सूचना के आदान-प्रदान के लिए शिक्षा विभाग कार्यालय में कंट्रोल रूम भी एक्टिव रहा। लेवल-2 टीजीटी की परीक्षा प्रातः कालीन सत्र में 10 से 12:30 बजे तक एवं लेवल-1 पीआरटी की परीक्षा सायं कालीन सत्र में 3 से 5:30 बजे तक संचालित की गई।

इनको ले जाने की नहीं मिली अनुमति

परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को अंगूठी, चैन, बालियां, हार, लटकन व ब्रोच जैसे सभी गहने, किसी भी धातु की वस्तु, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में मोबाइल फोन, पेजर, ब्लूटुथ, ईयरफोन, कैलकुलेटर, घड़ी, पर्स, लॉग टेबल, हेल्थ बैंड, प्लास्टिक पाउच, कोरा या मुद्रित कागज लेकर जाने की अनुमति नहीं मिली। परीक्षा के दौरान महिला अभ्यर्थियों को मंगलसूत्र पहनने, बिंदी व सिंदूर लगाने तथा सिख अभ्यर्थियों को धार्मिक आस्था के चिन्ह ले जाने की अनुमति रही। एचटेट के दौरान सुरक्षा व सुविधा के लिए परीक्षा केंद्रों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। परीक्षा के दौरान जिले के सभी कोचिंग सेंटर व परीक्षा केंद्रों के आसपास की फोटो स्टेट व साइबर कैफे बंद रहे। परीक्षा केंद्रों से 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लागू रही।

खबर संक्षेप

आर्म्स एक्ट का आरोपी तफ्तीश में शामिल

कोसली। पुलिस ने हथियार मुहैया कराने के मामले में एक आरोपी को तफ्तीश में शामिल किया है। पुलिस ने गत वर्ष 25 सितंबर को एक आरोपी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने हथियार दिल्ली के नजफगढ़ निवासी अमन कुमार से लिया था। केस दर्ज होने के बाद अमन ने अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को मामले की तफ्तीश में शामिल कर लिया।

दहेज उत्पीड़न का आरोपी पति गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज की मांग पर महिला के साथ मारपीट करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। उनमें सुलह नहीं होने के बाद पुलिस ने 16 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुरूग्राम के सेक्टर-29 निवासी ललित को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट मामले का एक और आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने रोहतक नेशनल हाइवे के पास स्वीमिंग पूल के बाहर मारपीट करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने स्वीमिंग पूल मालिक की शिकायत पर कई आरोपियों के खिलाफ 1 जुलाई को केस दर्ज किया था। उसका ममेरा भाई मारपीट में गंभीर रूप से घायल हो गया था। एक आरोपी सतपाल को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार लिया था। अब इस मामले में रोहड़ाई निवासी देवेंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

सट्टा खाईवाली करने के आरोप में गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मॉडल टाउन एरिया में सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन में किराए के मकान में रह रहा एमपी के जबैरा निवासी लक्ष्मण सेन सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर बोगस ग्राहक की मदद से उसे काबू कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 900 रुपये राशि और पर्चियां बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

आर्म्स एक्ट का आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

बावल। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामले में एक आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। गत 2 मार्च को पुलिस ने एक आरोपी अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान उसने बताया था कि उसे अवैध हथियार बिशनपुरा निवासी सुनील ने मुहैया कराया था। आरोपी सुनील के खिलाफ पहले एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। आरोपी अन्य मामले में जेल में बंद चला आ रहा है। उसे जांच में शामिल करने के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी भेजा जेल

बावल। पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने के बाद दुष्कर्म का शिकार बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। बरामद करने के बाद पीड़िता का सामान्य अस्पताल से मेडिकल टेस्ट करवाया गया था।

कर्मचारियों का आरोप लंबे समय से उनकी मांगों को किया जा रहा नजर अंदाज

एमपीएचई एसोसिएशन का स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर रोष प्रदर्शन, पुलिस साथ हुई तीखी नोंक-झोंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की ओर से रविवार को अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर स्वास्थ्य मंत्री के रामपुरा स्थित आवास पर रोष प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में एमपीएचई एसोसिएशन के प्रदेश भर के कर्मचारियों सहित अनेक संगठनों के सदस्य शामिल थे। प्रदर्शन के दौरान स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस मौके पर एसोसिएशन की ओर से स्वास्थ्य मंत्री के पीए को मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इससे पहले कर्मचारी नेताजी सुभाष चन्द्र पार्क में एकत्रित हुए और जनसभा भी की। दोपहर 2 बजे हजारों कर्मचारी पार्क से नारेबाजी करते हुए रामपुरा स्थित स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर से निकलते तो भारी पुलिस बल ने उन्हें बैरिकेडिंग करके रोक दिया, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक-झोंक हुई और करीब 20 मिनट तक माहौल तनावपूर्ण रहा, जिससे सरकुलर रोड पर भारी जाम भी लग गया। प्रदर्शनकारियों ने नाईवाली चौक होते हुए रामपुरा स्थित स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर कूच किया, लेकिन पुलिस बल ने उन्हे करीब 200 मीटर पहले ही रोक दिया। जहां भी काफी देर तक तनाव बना रहा। शाम करीब 5 बजे तक कर्मचारी नारेबाजी करते रहे। मंत्री के पीए गोविंद ने मौके पर पहुंचकर 28 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री से कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल की मुलाकात कराने का लिखित आश्वासन दिया।

रेवाड़ी। प्रदर्शन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के आवास की ओर कूच करते कर्मचारी, स्वास्थ्य मंत्री के पीए को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी व मौजूद पुलिस बल। फोटो: हरिभूमि

उदासीन रवैये से एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों में रोष

एमपीएचई की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य सांगवान, राज्य प्रवक्ता संदीप कुंडू, एमपीएचई के जिला प्रधान दिनेश यादव, जिला सचिव जितेंद्र कुमार व खजांची राहुल दहिया ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार और स्वास्थ्य मंत्री को कई बार ज्ञापन सौंपे गए। इसके अलावा पांच स्मरण पत्र भी भेजे गए, लेकिन अब तक किसी भी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सरकार के उदासीन रवैये से प्रदेशभर के एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों में गहरा रोष है। शर्मिला देवी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत महिला एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारियों को न्यायालय के आदेशानुसार नियमित करने, एफपीएल-6 वेतनमान लागू करने, एमसीएच, ड्रेस एवं यात्रा भत्ता, सेवानिवृत्ति लाभ तथा तबादला नीति लागू करने जैसी महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मिशन निदेशक कार्यालय इन मुद्दों पर लगातार उदासीन बना हुआ है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय से जुड़े कई मामलों का भी वर्षों से समाधान नहीं हो पाया है।

युवक पर फायरिंग का तीसरा आरोपी काबू, दो एनकाउंटर के बाद पकड़े गए थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना कसौला पुलिस ने गांव बखापुर में एक युवक पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। दो आरोपियों को सीआईए की टीम ने एनकाउंटर के बाद तीन दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। बखापुर निवासी भागमल ने पुलिस शिकायत में बताया था कि गत 26 जून की रात समय करीब 9 बजे वह अपने छोटे बेटे रतिराम के साथ घर पर मौजूद था। इसी दौरान एक पल्सर बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश गांव बोलनी निवासी मोहन सोनी, प्रवीन उर्फ भोलू व राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव जौखास निवासी गोविन्द उर्फ झम्मन उनके घर के बाहर आए। आरोपी गोविन्द उर्फ झम्मन ने हाथ में लिए अवैध हथियार से रतिराम को जान से मारने की नियत से सीधे फायर कर दिए। रतिराम ने सूझबूझ दिखाते हुए झुककर अपनी जान बचाई और कमरे की तरफ भागा, जिसके बाद आरोपियों ने दो और सीधे फायर किए। परिवार के सदस्यों द्वारा शोर मचाने पर तीनो आरोपी भविष्य में जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

न्यायिक हिरासत में भेजा

गत 9 जुलाई की रात को सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने एक साहसिक कार्रवाई करते हुए गांव राबड़का से जड़थल की ओर साबी रेलवे पुलिया के नीचे कच्चे रास्ते पर मुठभेड़ के दौरान दो मुख्य आरोपियों मोहन सोनी और गोविन्द उर्फ झम्मन को काबू किया था। कसोला पुलिस ने इस वारदात में शामिल तीसरे आरोपी प्रवीन उर्फ भोलू को भी दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

भाकियू चढ़ूनी ने मांगों को लेकर सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की बैठक रविवार को शहरी प्रधान कृष्ण सैनी के अध्यक्षता में किसान भवन में हुई। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर सिंह चहल सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे। इस मौके पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील के मुद्दे पर चर्चा की गई। यूनियन के प्रधान समय सिंह प्रधान ने कहा कि इस ट्रेड डील को किसी भी तरह से लागू नहीं होने दिया जाएगा। ट्रेड डील के मुद्दे को लेकर 15 जुलाई को मोटरसाइकिल यात्रा व 21 जुलाई को दिल्ली में महापंचायत होने जा रही है। किसान नेता रवि प्रकाश ने सभी इस मुद्दे को लेकर एकजुट होकर लड़ाई लडेंगे। बैठक में किसानों की अनेक समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई तथा मांगों को लेकर सीटीएम जितेंद्र को ज्ञापन सौंपा गया।

मांगों को लेकर सीटीएम को ज्ञापन सौंपते यूनियन के सदस्य।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर राजेंद्र कुमार गेरा, महिला जिला प्रधान मुन्नी बूढ़पुर मनीषा यादव बोड़िया कमालपुर, सविता दहिया एडवोकेट, अशोक नंबरदार, मोनिका, ममता यादव, कुलदीप करनावास व वेद सुल्तानिया सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे।

ट्रॉले की चपेट में आकर कंपनी कर्मी की मौत

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लालपुर बस स्टैंड के पास तेज रफ्तार ट्रॉले की चपेट में आने से बाइक सवार कंपनी कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद ट्रॉला चालक की तलाश शुरू कर दी। शहबाजपुर खालसा निवासी 30 वर्षीय दिनेश कुमार एक कंपनी में कार्यरत था। वह घर से बाइक लेकर ड्यूटी के लिए निकला था।

लालपुर बस स्टैंड के पास पहुंचते ही एक ट्रॉले ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक से गिरकर ट्रॉले के नीचे चला गया। ट्रॉला चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। आसपास के लोगों ने उसे तुरंत ट्रॉले के नीचे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद कसोला पुलिस ने अस्पताल जाकर शव को कब्जे में ले लिया। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रॉला चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

टूटी सड़क बन रही हादसों का कारण

हादसे के बाद मौके पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने बताया कि बस स्टैंड के आसपास सड़क टूटकर जर्जर हो चुकी है। सड़क में बने गड्ढों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। दुपहिया वाहन चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल होते रहते हैं। मानसून का सीजन होने के कारण आने वाले दिनों में यह गड्ढे आफत बन सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की तुरंत रिपेयर कराने की मांग की है।

कार्यक्रम हमारा परिवार संस्था की ओर से नेहरू पार्क में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम मनाया

अच्छे स्वास्थ्य के लिए ताजे फल, सब्जियां, दूध घी व शुद्ध आहार परम आवश्यक: डा. दीपक

- शरीर को पुष्ट रखने के लिए व्यायाम परम आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को नेहरू पार्क में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम पहला सुख-निरोगी काया का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आईएमए के पूर्व जिला प्रधान डा. दीपक यादव, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि मानव शरीर परमपिता परमात्मा की अनमोल रचना है। हम जो कुछ खाते हैं, उसी में से रस, रक्त, मांस, मज्जा व ओज का निर्माण होता है। यदि हमारा भोजन रसयुक्त, विटामिनों से भरपूर है तो शरीर में बल व तेज का संचार होता है व रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है, लेकिन आजकल जंक फूड का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। परिणाम स्वरूप छोटी आयु से ही गंभीर रोग शरीर में आने लगे हैं। कम आयु में ही हृदय रोग से असामायिक मौत भी हो रही है। इसलिए अच्छे स्वास्थ्य के लिए ताजे फल, सब्जियां, दूध, घी व शुद्ध आहार परम आवश्यक है। शिक्षाविद प्रो. सी एल सोनी, समाजसेवी राजेन्द्र सिंह यादव व उपप्रधान हेमंत ग्रोवर ने कहा कि प्रतिदिन प्रातःकाल ब्रह्म मुहूर्त में जागकर किसी खुले स्थान पर उचित आसन, प्राणायाम व योगासन के अभ्यास करें। शरीर को पुष्ट रखने के लिए व्यायाम परम आवश्यक है।

संस्था की महिला संयोजक शशि जुनेजा, महिला प्रधान निशा सीकरी व शिक्षाविद् प्रीति कपूर ने कहा कि सबसे जरूरी है, हमारे बच्चे जो देश का भविष्य है, उनकी दिनचर्या का विशेष ध्यान रखना।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो परिवार स्वस्थ रहेगा

बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो परिवार स्वस्थ रहेगा। हैल्थ एंड वैलनेस कोच आशु आहुजा ने सभी को एरोबिक्स कराया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए भाजपा महामंत्री आशा मखीजा, सुनीता शास्त्री, उपप्रधान कुलदीप सोनी, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, सोनिया कपूर, डा. देवेन्द्र कुमार, पूर्व नगर परिषद प्रधान सरोज भारद्वाज, नेहरू पार्क सुधार समिति के प्रधान रामचन्द्र अग्गी, विनोद गुप्ता व मीडिया प्रभारी उमेश शर्मा को सम्मानित किया गया।

नशीला पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के आदर्श नगर में सीआईए कोसली की टीम ने एक आरोपी को नशीला पदार्थ गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपी से नशीले पदार्थ की सप्लाई के बारे में पूछताछ की जा रही है।

सीआईए कोसली को सूचना मिली थी कि आदर्श नगर निवासी नवनीत नशीला पदार्थ बेचने का काम करता है। वह रेलवे अस्पताल के नजदीक पीर बाबा मंदिर के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गए। मंदिर के पास खड़े एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। सीआईए ने उसे पीछा करते हुए काबू कर लिया। पूछताछ में उसने नाम नवनीत बताया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली गई, तो आरोपी के कब्जे से 597 ग्राम गांजा बरामद हुआ। उसे मौके पर ही काबू करने के बाद सिटी पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर।

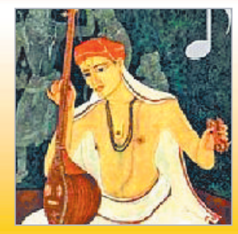

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन
दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल
सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नजर म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता
भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे भ्हेम बावले।

काया दमकै योग कराँ तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि

कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा
अंकुर शर्मा

हरियाणा महज़ एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध

शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आज़ादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है,

इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेज़ों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज़ में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज़), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें

स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नज़रिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की ज़रूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी ज़िम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

खबर संक्षेप

मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने पुलिस भर्ती शारीरिक परीक्षा के दौरान दौड़ते वक्त गांव सैदपुर निवासी युवक कपिल की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सैदपुर गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार का ढांढ़स बंधाया और मौत के बारे में जानकारी हासिल करने के बाद कहा कि बेटे की अचानक हुई मौत के कारण परिवार सदमे में है। परिवार तथा ग्रामीणों का कहना है कि मृतक कपिल को समय पर उचित प्राथमिक सहायता मिल गई होती, तो जान बच सकती थी।

पुरानी टंकियों व कुओं का किया जीर्णोद्धार

नारनौल। आधुनिकता की दौड़ में जहां लोग अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और पारंपरिक जल स्रोतों को भूलते जा रहे हैं, वहीं युवा शक्ति फाउंडेशन सेका ने समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था ने ग्राम पंचायत सेका के सहयोग से गांव में स्थित प्राचीन जल स्रोतों, ऐतिहासिक कुओं और पुरानी पानी की टंकियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए विशेष साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार अभियान चलाया। अभियान के तहत वर्षों से उपेक्षित पड़ी एक प्राचीन पानी की टंकी और उसके आसपास के परिसर की व्यापक सफाई की गई।

महादेव मंदिर के शिखर पर पीतल की ध्वजा स्थापित

महेंद्रगढ़। श्री मोदाश्रम महादेव मंदिर में रविवार प्रातः आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंदिर के शिखर पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पीतल की ध्वजा स्थापित की गई। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया और सुख-समृद्धि की कामना की। मोदाश्रम समिति के प्रधान सुधीर दीवान ने बताया कि रविवार को प्रातः आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। मंदिर के शिखर पर पीतल की ध्वजा की विशेष पूजा-अर्चना कर ध्वजा स्थापित की गई तथा सभी श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आजीवन सदस्य 10 जुलाई तक जमा कराएं आवेदन

नारनौल। श्री गोपाल गोशाला (रजि.) ने आजीवन सदस्यता अभियान शुरू करते हुए अधिक से अधिक लोगों से गोशाला से जुड़ने और गौसेवा के कार्य में सहयोग देने का आह्वान किया है। गोशाला प्रबंधन ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं, जबकि आवेदन पत्र 10 जुलाई तक गोशाला कार्यालय में जमा कराने होंगे। 15 जुलाई को सदस्यता सूची ऑनलाइन कर दी जाएगी।

गोशाला के महासचिव वासुदेव यादव द्वारा जारी बयान में बताया गया कि नए आजीवन सदस्य बनने के लिए 1100 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं, जो लोग पहले से गोशाला के सदस्य हैं, उन्हें किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना होगा। यदि नाम ऑनलाइन दर्ज नहीं है तो उन्हें हरियाणा सोसायटी एक्ट-2012 के नियमानुसार फार्म-10 भरकर आधार कार्ड की प्रति संलग्न करते हुए अपना विवरण ऑनलाइन करवाना होगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों पर सख्ती से अमल शुरू

7.63 करोड़ से अधिक का पर्यावरण मुआवजा और 3,486 काटे चालान

शहरी स्थानीय निकाय विभाग के संयुक्त निदेशक ने एनजीटी में दाखिल किया शपथपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

प्रदेश में ठोस कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण में चल रही जनहित याचिका ने पूरे प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को झकझोर दिया है। गांव खरखड़ा निवासी सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता प्रकाश यादव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार को राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष शपथपत्र दाखिल करना पड़ा, जिसमें पहली बार पूरे प्रदेश में ठोस कचरा प्रबंधन की स्थिति, कमियों, कार्रवाई और भविष्य की समयबद्ध कार्ययोजना का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

हरियाणा सरकार की ओर से शहरी स्थानीय निकाय विभाग के संयुक्त निदेशक ने हलफनामा दाखिल किया, जिससे स्पष्ट हुआ कि एनजीटी की निगरानी में अब पूरे प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों को सख्ती से लागू करने की दिशा में व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

यह मामला अब केवल धारूहेड़ा, रेवाड़ी या साहबी नदी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे हरियाणा में पर्यावरण संरक्षण और कचरा प्रबंधन व्यवस्था में सुधार का आधार बन गया है।सरकार ने एनजीटी को बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अब तक 7.63 करोड़ रुपये से अधिक का पर्यावरण मुआवजा लगाया जा चुका है। इसके अलावा जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच 3,486 चालान कर लाखों रुपये का जुर्माना वसूला गया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों, नालों, जल स्रोतों और खाली भूखंडों पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में बन रहा कचरा निस्तारण केंद्र। फोटो : हरिभूमि

60 कचरा डंप साइट खत्म

हलफनामे में बताया गया कि प्रदेश के 75 लीगेसी वेस्ट डंप साइट्स में से 60 का वैज्ञानिक बायो-माइनिंग के माध्यम से निस्तारण किया जा चुका है। शेष 15 डंप साइट्स को 31 मार्च 2027 तक पूरी तरह समाप्त अथवा वैज्ञानिक तरीके से कैप करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

रोजगार और जनभागीदारी पर भी जोर

सरकार ने बताया कि प्रदेशभर में 14,889 कबाड़ बीनने वालों की पहचान, 5,356 का पंजीकरण, 217 स्वयं सहायता समूहों को कचरा प्रबंधन से जोड़ने, 1,515 वार्ड समितियों के गठन तथा हजारों जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से घर-घर सूखा और गीला कचरा अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रकाश यादव ने कहा कि यदि आम नागरिक तथ्यों और कानून के आधार पर जनहित के मुद्दे उठाएं तो व्यवस्था को जवाबदेह बनाया जा सकता है। पर्यावरण मामलों के जानकारों का मानना है कि एनजीटी में चल रहा यह मामला हरियाणा में ठोस कचरा प्रबंधन सुधार से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक बन चुका है। आने वाले वर्षों में प्रदेश में अवैध डंपिंग, प्लास्टिक प्रदूषण और लीगेसी वेस्ट जैसी गंभीर समस्याओं में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

अब जिला स्तर पर होगा सिंगल टेंडर

सरकार ने अदालत को बताया कि कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अब अलग-अलग नगर निकायों के बजाय जिला स्तर पर संयुक्त ई-टेंडर लागू किया जाएगा। प्रदेश के 87 शहरी निकायों के लिए कचरा प्रसंस्करण स्थलों की पहचान भी कर ली गई है।

105 बड़ी कंपनियां भी दायरे में

प्लास्टिक और पैकेजिंग कचरे के बढ़ते संकट को देखते हुए 23 निर्माता, 61 आयातक और 21 ब्रांड मालिकों सहित कुल 105 कंपनियों को एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत जवाबदेह बनाया गया है। अब इन कंपनियों को अपने उत्पादों से उत्पन्न कचरे को वापस एकत्रित कर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित करना होगा।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत 5 लाख रुपये तक ऋण की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना

हरियाणा सरकार की ओर से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की गई है, जिसके तहत बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से वर्ष 2025-26 में 21 केसों को 2,03,514 रुपये की अनुदान राशि का लाभ दिया जा चुका है। योजना के तहत जिले के लिए वर्ष 2025-26 में 48 केसों का लक्ष्य रखा गया है। डीसी ने बताया कि पांच लाख रूपए से कम वार्षिक आय वाली व हरियाणा की स्थायी निवासी महिला इस योजना के लिए पात्र होंगी। ऋण के लिए आवेदक के समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किश्त का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक सात प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी।

ऋण लेकर ये काम शुरू कर सकती हैं महिलाएं

योजना के तहत डेयरिंग, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल है। इन गतिविधियों में महिलाएं यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढ़ोने के वाहन, थ्री व्हीलर, ई रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोस्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, आचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टाल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, टिफिन सर्विस व मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू कर सकती है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पत्र, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड व पासपोर्ट आकार फोटो सहित सभी दस्तावेजों की दो-दो कॉपी होनी चाहिए।

बीएससी नॉन-मेडिकल छठे सेमेस्टर में पहला स्थान पाने पर सोनम सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

गढ़ी गांव निवासी सोनम ने इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर की ओर से हाल ही में घोषित बीएससी नॉन-मेडिकल छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता, कॉलेज व गांव का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर गांव के सरपंच राकेश कुमार व कनीना नगर पालिका की अध्यक्ष एवं जीएल महिला डिग्री कॉलेज की अध्यक्ष डा. रिंपी लोढ़ा ने सोनम को सम्मानित किया। जीएल महिला डिग्री कॉलेज से स्वाति, मोनिका, नीता, विशेष और नितेश ने भी सोनम को स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया। डा. लोढ़ा ने बताया कि इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के अंतर्गत रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिले के 140 कॉलेज आते हैं, जिनमें 115 प्राइवेट और 25 सरकारी कॉलेज शामिल हैं।

सरपंच राकेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण अंचल की बेटियों में अपार प्रतिभा है। सोनम ने पूरी यूनिवर्सिटी में टाप करके गढ़ी गांव का मस्तक गर्व से ऊंचा कर दिया। सोनम के पिता जसवंत सिंह व मां सुषमा देवी ने कहा कि बेटी की कामयाबी पर पूरे परिवार को गर्व है।

रेवाड़ी। छात्रा सोनम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संघर्ष समिति ने की माजरा एम्स में जुलाई से एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रविवार को एम्स संघर्ष समिति मनेठी की बैठक समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संचालन समिति सचिव ओमप्रकाश सैन ने किया। मीटिंग में एम्स निर्माण की प्रगति पर विचार किया गया। समिति के वक्ताओं ने एम्स प्रशासन की ओर से माजरा एम्स में एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू करने की पहल का स्वागत किया। इस मौके पर समिति के प्रवक्ता कामरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि जनता के आंदोलन ने आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का रास्ता प्रशस्त किया है। अध्यक्ष कैलाश चंद ने कहा कि भाईचारा और एकता को पीढ़ी दर पीढ़ी बनाए रखा जाएगा। कर्नल राजेंद्र सिंह ने कहा कि संघर्ष समिति एम्स का पूरा काम होने तक बनी रहेगी। समिति के सदस्यों ने सरकार से जुलाई माह से 50 एमबीबीएस की सीटों पर कक्षाएं माजरा एम्स में ही शुरू करने की मांग की। साथ ही उन्होंने जल्द ओपीडी और ओवरब्रिज का काम शुरू करने की भी मांग की। इस मौके पर समिति के सदस्य डा. नरेंद्र सिंह को बिना दान-दहेज की शादी के लिए सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। बैठक के दौरान मौजूद एम्स संघर्ष समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

बैठक में लक्ष्मण सिंह हैडमास्टर, रामस्वरूप अहरोदिया, महावीर पंच, एसपी गोयल, रामेश्वर दयाल, जगदीश शर्मा, बलवंत सिंह पंच, रामकुमार निमोथ, सुरेंद्र सिंह सरपंच, मास्टर दयाराम आर्य, रतीराम पंच, सत्यपाल, कृष्ण कुमार, बीडी यादव, डा. एच डी यादव, कंवर सिंह, ईश्वर सिंह, कंवल सिंह, कामरेड मूलचंद आर्य, यशवंत सिंह, राजबीर नंबरदार, विनोद कुमार, अजीत सिंह व प्रो. वी पी सिंह सहित समिति के अनेक सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। कैंप में बुजुर्ग की आंखों की जांच करती डॉ. कंचन। फोटो : हरिभूमि

यादव सभा के कैंप में 120 मरीजों ने कराया चेकअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 120 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग व चर्म रोग के रोगियों का स्वास्थ्य जांच कर उचित परामर्श दिया। इनके अलावा कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, गोकल राम, विजय पाल, प्रो. सतीश यादव, भगवान सिंह व अशोक ने सहयोग दिया।

बीएसएनएल के 259 एफटीटीएच प्लान से गांव-गांव पहुंचेगा हाई-स्पीड इंटरनेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी भारतनेट उद्यमी (बीएनयू) योजना के तहत रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। बीएसएनएल की ओर से गांव-गांव हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को आधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होंगे। महाप्रबंधक दूरसंचार रेवाड़ी पूरन चंद ने बताया कि भारतनेट उद्यमी योजना का उद्देश्य केवल इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है। योजना के तहत स्थानीय उद्यमियों को प्रत्येक सक्रिय ब्रॉडबैंड कनेक्शन से प्राप्त आय का 50 प्रतिशत राजस्व प्रदान किया जाएगा। इससे युवाओं के लिए नियमित आय का स्रोत विकसित होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बीएसएनएल ने मात्र 259 प्रतिमाह का विशेष एफटीटीएच (फाइबर टू द होम) ब्रॉडबैंड प्लान शुरू किया है। इस प्लान में 25 एमबीपीएस तक की हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा, अनलिमिटेड डेटा, अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग, निःशुल्क इंस्टॉलेशन, वाई-फाई मॉडम तथा वेव्स ओटीटी सेवाएं शामिल हैं।

पूरन चंद, महाप्रबंधक दूरसंचार।

डिजिटल इंडिया के लिए महत्वपूर्ण कदम

बीएसएनएल का कहना है कि यह पहल डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वरोजगार, आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण इंटरनेट सेवाओं के समन्वय से रेवाड़ी तथा महेन्द्रगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है, जिससे डिजिटल आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक प्रगति को भी मजबूती मिलेगी।

केवीएस रीजनल शूटिंग में मंथन ने जीता गोल्ड

- राव शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी ने अंबाला में हुई चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर की सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकादमी के खिलाड़ी ने अंबाला में हुई केंद्रीय विद्यालय की रीजनल शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। मंथन ने 10 मीटर एयर पिस्टल अंडर-14 वर्ग में खेलते हुए 400 में से 358 का स्कोर लगाकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

चैंपियनशिप अंबाला के केंद्रीय विद्यालय में आयोजित की गई थी। चैंपियनशिप के सिलेक्ट हुए टॉप तीन खिलाड़ी अब जोनल चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और एसजीएफआई नेशनल चैंपियनशिप के लिए प्रयास करेंगे। अंतरराष्ट्रीय कोच रमन राव ने बताया की मंथन पहले भी स्थानीय चैंपियनशिप में पदक ला चुका हैं। रमन राव के मार्गदर्शन में तीन खिलाड़ी भारत के लिए एशिया चैंपियनशिप में पदक ला चुके हैं।

रेवाड़ी। अपने कोच के साथ अमन।

बारड़ा-सुरेहती पिलानियां से राजस्थान सीमा तक सड़क निर्माण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

सतनाली क्षेत्र में बारड़ा से सुरेहती पिलानियां तथा सुरेहती पिलानियां से राजस्थान बॉर्डर तक बनने वाली नई सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधायक कंवर सिंह यादव ने नारियल फोड़कर एवं ग्रामीणों को लड्डू खिलाकर किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका आभार व्यक्त किया। इन दोनों सड़कों का निर्माण कार्य मार्केटिंग बोर्ड महेंद्रगढ़ की ओर से कराया जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि बारड़ा से सुरेहती पिलानियां तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 98.87 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं सुरेहती पिलानियां से राजस्थान बॉर्डर तक लगभग दो किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 50.74 लाख रुपये की लागत से होगा। दोनों सड़कें 12 फुट चौड़ी बनाई जाएंगी। सड़क निर्माण कार्य लगभग तीन महीने में पूरा कर लिया जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क, पेयजल, सिंचाई और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। इन सड़कों के बनने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

सतनाली मंडी। सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

समस्या अटेली रेलवे स्टेशन पर धूप व बारिश में यात्रियों को झेलनी पड़ती है परेशानी

रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन भेजकर स्टेशन पर व्याप्त बदहाल व्यवस्था सुधारने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली रेलवे स्टेशन पर मूलभूत यात्री सुविधाओं की कमी को लेकर दैनिक रेलयात्री जागरुक मंच नारनौल-अटेली के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं की कमी के मुद्दे पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मंच के सदस्यों ने स्टेशन अधीक्षक सुरेश शर्मा के माध्यम से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम एक ज्ञापन पत्र भेजकर स्टेशन की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। कार्यक्रम के दौरान मंच के सदस्यों ने अटेली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानियों को विस्तार से रखते हुए चार मुख्य मांगें प्रमुखता से रखी।

मंडी अटेली। रेलवे स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

पर्याप्त टीन शेड लगाने की मांग

मंच के सदस्य भीम कुमार और दीपक कुमार ने बताया कि प्लेटफार्म के शुरुआती और अंतिम छोर पर पर्याप्त शेड नहीं होने के कारण यात्रियों विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को धूप व बारिश में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने प्लेटफार्म के दोनों ओर पर्याप्त टीन शेड लगाने की मांग की।

चार मुख्य मांगें रखीं

सबसे पहले आरक्षण टिकट खिड़की की मांग उठाई गई। मास्टर विजय भारद्वाज ने बताया कि स्टेशन पर कई आरक्षित ट्रेनों का ठहराव होने के बावजूद यहां टिकट आरक्षण की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके चलते यात्रियों को टिकट बुक कराने के लिए नारनौल या रेवाड़ी जाना पड़ता है जिससे उनका समय और पैसा दोनों व्यर्थ होता है। दूसरी प्रमुख मांग प्लेटफार्म पर टीन शेड की व्यवस्था को लेकर उठाई गई। तीसरी मांग माता वैष्णो देवी कटरा के लिए सीधी ट्रेन चलाने की रही। मंच के उपाध्यक्ष महेश बखालिया ने कहा कि इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाते हैं लेकिन सीधी ट्रेन की सुविधा न होने के कारण उन्हें असुविधा झेलनी पड़ती है। उन्होंने इस रूट पर सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की मांग की। चौथी मांग के तहत चंडीगढ़-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (22451/22452) के प्रतिदिन संचालन और अटेली स्टेशन पर ठहराव की मांग उठाई गई। मंच के सचिव मनीष कोली ने बताया कि इससे मुंबई और चंडीगढ़ जाने वाले यात्रियों को सीधी और बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इस मौके पर राजू आर्य, जतिन जांगिड़, संदीप जांगिड़ और कपिल सहित मंच के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। मंच के सदस्यों ने उम्मीद जताई कि रेलमंत्री जल्द ही इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेंगे।

एक्सिडेंट की झूठी कहानी बनाने वाली महिला की तलाश में जुटी पुलिस

ईएचसी हत्याकांड में बेटे के बाद बाप भी काबू, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुला राज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

थाना जाटूसाना पुलिस ने ईएचसी कृष्ण कुमार हत्याकांड में बेटे की गिरफ्तारी के बाद उसके बाप को भी गिरफ्तार कर लिया। हत्या का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ था। हत्या को एक्सिडेंट में बदलने की कहानी बनाने वाली महिला की तलाश की जा रही है।

गत 11 मई को रेवाड़ी में रह रहे हरियाणा पुलिस के ईचसी नैनसुखपुरा निवासी कृष्ण कुमार की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद मामले को दबाने और पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से गांव नैनसुखपुरा निवासी सुमन ने एक मनगढ़ंत कहानी रची थी। सुमन का दावा था कि 10 मई की रात को उसका अपने पति मनोज के साथ झगड़ा हुआ था। जिसके बाद उसने कृष्ण कुमार को मदद के लिए बुलाया था। सुमन के अनुसार जब वह थाने से शिकायत देकर लौट रहे थे, तब कृष्ण कुमार सड़क किनारे रुके और किसी अज्ञात मोटरसाइकिल की टक्कर से दुर्घटना का शिकार हो गए। पुलिस ने शुरूआती तौर पर इस सूचना के आधार पर थाना जाटूसाना में सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ईएचसी हत्याकांड में शामिल आरोपी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और बयान से खुला राज

पुलिस तफ्तीश के दौरान मामले में असली मोड़ तब आया, जब मृतक कृष्ण कुमार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई। वैज्ञानिक साक्ष्यों ने साफ कर दिया था कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि एक बर्बर हत्या थी। रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर करीब 15 गंभीर चोटों के निशान और किसी नुकीली चीज से वार किए जाने की पुष्टि हुई थी। 27 मई को मृतक की मां संतोष देवी ने सामने आकर आरोपियों की इस क्रूर साजिश का पदार्फाश किया।

मां ने लगाए थे हत्या किए जाने के आरोप

मां के बयानों के अनुसार 10 मई की रात करीब 2:30 बजे कृष्ण कुमार खून से लथपथ हालत में उनके पास पहुंचा था। कृष्ण ने अपनी मां को बताया था कि सुमन ने उसे धोखे से घर बुलाया था, जहां सुमन और मनोज ने उसे दबोच लिया। इसके बाद मनोज ने नुकीली चीज से, शेर सिंह ने डंडे से और जतिन ने नुकीली चीज से उस पर ताबड़तोड़ वार किए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से इसे एक्सीडेंट का रूप देने की कोशिश की गई थी।

केस दर्ज करने के बाद किया जतिन काबू

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस हत्याकांड में शामिल एक आरोपी जतिन कुमार को पहले ही गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेज दिया था। अब इस मामले में पुलिस ने उसके पिता मनोज कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया। अब पुलिस तीसरी आरोपी महिला सुमन की तलाश कर रही है।

रिटायर्ड कर्मचारियों ने पांच सूत्रीय मांगों को लागू करने की आवाज उठाई

रेवाड़ी। रविवार को रिटायर्ड कर्मचारी संगठन जिला कार्यकारिणी की मीटिंग कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र यादव रिटायर्ड यातायात प्रबंधन की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सचिव महादेव सिंह ने किया। इस मौके पर प्रांतीय संगठन सचिव जयपाल यादव व प्रेस सचिव देवेन्द्र तिवारी ने सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की लंबित चली आ रही पांच सूत्रीय मांगों को लागू करने की मांग की। इस मौके पर राजेंद्र नेहरा, विद्यासागर, सूबे सिंह, मामराज, बलबीर सिंह, जीतराम, विनोद यादव, अजीत सिंह, कैलाश गुर्जर, लक्ष्मण सिंह, लाभ सिंह व सुरेंद्र कुमार सहित अनेक रिटायर्ड कर्मचारी मौजूद थे।

सेंटर में छात्राओं के लिए आधुनिक नई कम्प्यूटर लैब स्थापित

रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों के लिए रजिस्ट्रेशन 10 तक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोसली

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के महिला रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी के सभी कोर्सों की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 10 जुलाई तक बढ़ा दी गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक छात्राओं से निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया है। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि रीजनल सेंटर में छात्राओं के लिए आधुनिक नई कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है। छात्राएं बीए, बीएससी, बीकॉम कोर्स में दाखिला लेकर तीन साल में पास कोर्स की डिग्री कर सकती हैं तथा चार साल में ऑनर्स डिग्री कर सकती हैं। रीजनल सेंटर के यूजी और पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए छात्राओं को सबसे पहले सभी जरूरी दस्तावेज के साथ ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है, जिसके लिए जनरल श्रेणी की फीस 500 रुपये और एससी बीसी फीस 125 रुपये है।

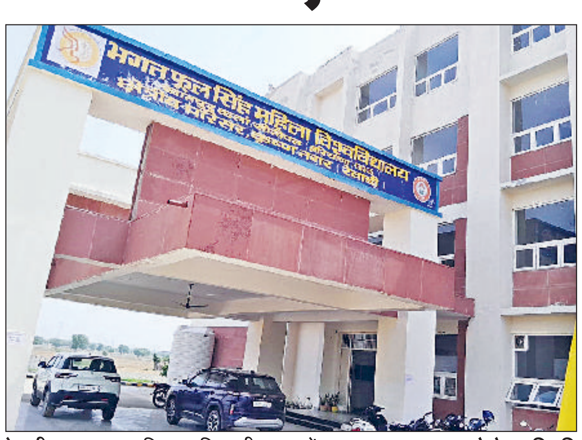

रेवाड़ी। कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर। फोटो : हरिभूमि

एससी-बीसी छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप

निदेशक ने बताया कि सरकार की ओर से एससी-बीसी छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप का प्रावधान है, जिसके के लिए छात्राओं के पास अपना नया इन्कम सर्टिफिकेट होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि सेंटर में हेल्प डेस्क सुविधा उपलब्ध है। रीजनल सेंटर में सभी विषयों का अनुभवी स्टाफ है और छात्राओं की सुरक्षा की प्राथमिकता का विशेष ध्यान रखते हुए लाने व ले जाने के लिए रीजनल सेंटर की स्वयं की दो बसे हैं। इसके अतरिक्त सरकारी और प्राइवेट यातायात के साधन भी उपलब्ध हैं।

14 को जारी होगी पहली मेरिट लिस्ट

कोर्सों की सीटें व उनकी फीस

नई शिक्षा नीति के अनुसार यूजी कोर्स बीए ऑनर्स मल्टीडिसीप्लिनरी की 100 सीटें, बीएससी इन फिजिकल साइंस ऑनर्स नॉन मेडिकल की 60 सीटें व बीकॉम ऑनर्स की 60 सीटें है तथा पीजी कोर्स एमए अंग्रेजी 30 सीटें और एमए राजनीति विज्ञान में 40 सीटें उपलब्ध हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद दाखिले के लिए मेरिट सूची रीजनल सेंटर के नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी। छात्राएं विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट बीपीएसएमवी.एसी.इन पर रीजनल सेंटर कृष्ण नगर में आवेदन कर सकती है। रीजनल सेंटर कृष्ण नगर के विभिन्न कोर्सों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक बीपीएसएमवीओए. डिजीटल यूनिवर्सिटी.एसी हैं। इस लिंक से कोई भी छात्रा घर से भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आसानी से कर सकती हैं। कोआर्डिनेटर डा. अनिल कुमार ने बताया कि रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों में रजिस्ट्रेशन 10 जुलाई तक होंगे। प्रथम मेरिट सूची 14 जुलाई को जारी होगी, जिसकी ऑनलाइन फीस 15 जुलाई तक और दूसरी मेरिट सूची 16 जुलाई को लगेगी, जिसकी ऑनलाइन फीस 17 जुलाई तक भरी जाएगी। बीए प्रथम सेमेस्टर की फीस 3850 रुपये, बीएससी नॉन मेडिकल प्रथम सेमेस्टर की फीस 4260 रुपये, बीकॉम प्रथम सेमेस्टर की फीस 4950 रुपये तथा एमए अंग्रेजी और एमए राजनीतिक विज्ञान के प्रथम सेमेस्टर की फीस 9250 रुपये हैं।

रेवाड़ी। छात्रा सोनम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीएससी नॉन-मेडिकल छठे सेमेस्टर में पहला स्थान पाने पर सोनम सम्मानित

कोसली। गढ़ी गांव निवासी सोनम ने इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर की ओर से हाल ही में घोषित बीएससी नॉन-मेडिकल छठे सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने माता-पिता, कॉलेज व गांव का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर गांव के सरपंच राकेश कुमार व कनीना नगर पालिका की अध्यक्ष एवं जीएल महिला डिग्री कॉलेज की अध्यक्ष डा. रिंपी लोढ़ा ने सोनम को सम्मानित किया। जीएल महिला डिग्री कॉलेज से स्वाति, मोनिका, नीता, विशेष और नितेश ने भी सोनम को स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया। डा. लोढ़ा ने बताया कि इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर के अंतर्गत रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिले के 140 कॉलेज आते हैं, जिनमें 115 प्राइवेट और 25 सरकारी कॉलेज शामिल हैं। इन सभी कॉलेजों के हजारों विद्यार्थियों में यूनिवर्सिटी में पहला स्थान हासिल करना गर्व की बात है। सरपंच राकेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण अंचल की बेटियों में अपार प्रतिभा है। सोनम ने पूरी यूनिवर्सिटी में टाप करके गढ़ी गांव का मस्तक गर्व से ऊंचा कर दिया। सोनम के पिता जसवंत सिंह व मां सुषमा देवी ने कहा कि बेटी की कामयाबी पर पूरे परिवार को गर्व है। इस अवसर पर जय सिंह, छोटेलाल, लाली देवी, निर्मला, पिंकी, सुनीता व सविता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

युवक पर नाबालिग को ले जाने का आरोप, केस दर्ज

कोसली। क्षेत्र के गांव से नाबालिग लापता हो गई। नाबालिग की मां ने एक युवक पर उनकी बेटी को घर से भगा ले जाने का आरोप लगाया है। नाबालिग की मां ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि शनिवार को उनकी 17 वर्षीय बेटी को झाल गांव का रहने वाला युवक बहला फुसलाकर व शादी का झांसा देकर घर से ले गया। उन्होंने दोनों की अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने शनिवार को आरोपी युवक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

शिव नगर में चलाया सफाई अभियान जीवीपी को खत्म कर किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

शहर के शिव नगर में रविवार को डीएमसी डीएमसी ब्रह्मप्रकाश के मार्गदर्शन व ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका यादव के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर लोगों को अपने घरों के आसपास सफाई रखने के लिए भी जागरूक किया गया। डीएमसी ने कहा अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित है।

रेवाड़ी। कचरा प्वाइंट समाप्त कर लगाई गई बैंच व मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका यादव ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने की अपील की। अभियान के दौरान शिव नगर पर बने जीवीपी यानि गारबेज वेलनेरेबल प्वाइंट को समाप्त कर उसका सौंदर्यकरण किया गया तथा कॉलोनी निवासियों की ओर से कचरा प्वाइंट पर बैंच स्थापित की गई। इस मौके पर पौधरोपण भी किया गया। अभियान में पार्षद प्रतिनिधि संदीप, एक कदम मानवता की ओर के अध्यक्ष राकेश भार्गव, पूर्व पार्षद लोकेश, एडवोकेट राजीव डाटा, विश्वजीत, नवनीत राव, हर्षवर्धन, दीपक, हर्ष, गिन्नी व मंयक ने सहयोग दिया।

नगर पालिका धारूहेड़ा के चेयरमैन व 18 वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज

रेवाड़ी। नगर पालिका धारूहेड़ा के नवनियुक्त चेयरमैन व 18 वार्ड पार्षदों को शपथ ग्रहण समारोह 6 जुलाई को आयोजित होगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन व योजना राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह शिरकत करेंगे। सोमवार शाम 4 बजे नगर पालिका के प्रधान सत्यनारायण उर्फ अजय जांगड़ा और 18 वार्ड पार्षद पद व गोपनीयता की शपथ लेंगे। मई माह में हुए धारूहेड़ा नगर पालिका के चुनावों को लगभग डेढ़ माह का समय बीत चुका है। शपथ नहीं दिलाए जाने के कारण जनप्रतिनिधि विकास कार्य नहीं करा पा रहे हैं। एसडीएम की ओर से 29 जून को पत्र जारी करते हुए 1 जुलाई को चेयरमैन व 18 पार्षदों को शपथ दिलाने की बात कही थी, परंतु सीएम नायब सिंह सैनी के आगमन के बाद शपथ दिलाने का कार्यक्रम टाल दिया गया। चुनावों में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खास समर्थक अजय जांगड़ा चेयरमैन बने थे। चुनावों के बाद नगर पालिका का पिछला कार्यकाल पूरा नहीं होने के कारण अधिसूचना भी देरी से जारी हुई थी। चुनाव आयोग की ओर से 16 जून को अधिसूचना जारी करते हुए विजेता चेयरमैन और पार्षदों को सर्टिफिकेट जारी किए थे। अब सोमवार को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की मौजूदगी में चेयरमैन और पार्षदों को शपथ दिलाई जाएगी।

समाजसेवा के क्षेत्र में रामरति के योगदान को सदैव याद रखा जाएगा: राव इंद्रजीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

केंद्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह ने रविवार को कुतुबपुर पहुंचकर समाज सेविका रामरति देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रामरति देवी का निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा, गरीबों की सहायता और जनहित के कार्यों को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। मीरपूर के पूर्व सरपंच वेद ठेकेदार की धर्मपत्नी, जयप्रकाश डीएसपी यादव तथा सत्यप्रकाश यादव डीएमईओ की माता राम रति देवी का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

ये रहे मौजूद

श्रद्धांजलि देने वालों में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक अनिल यादव, नगर परिषद चेयरमैन विनीता पीपल, पूर्व विधायक चिरंजीवी राव, बीजेपी नेता सत्यदेव अध्यापक संघ के प्रधान महावीर, सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

जांगिड़ ब्राह्मण समाज समिति का वार्षिकोत्सव 10 को

रेवाड़ी। जांगिड़ ब्राह्मण समाज समिति की ओर से 10 जुलाई को जांगिड़ ब्राह्मण सामुदायिक भवन अंबेडकर चौक गढ़ी बोलनी रोड पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनि, महिलाएं व युवा सहित समाज बंधुओं की उपस्थिति रहेगी।

- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि के रूप में करेगी शिरकत

समारोह में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी, जबकि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव अति-विशिष्ट अतिथि होंगे। धारूहेड़ा नगरपालिका के चेयरमैन अजय जांगड़ा समारोह की अध्यक्षता करेंगे तथा अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण जिला सभा के जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र जांगिड़ स्वागत अध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली एवं नगर परिषद चेयरमैन विनीता पीपल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। समारोह का शुभारंभ प्रातः 8:30 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा। ध्वजारोहण का दायित्व सेवानिवृत्त सीबीआई अधिकारी कृष्ण कुमार जांगिड़ निभाएंगे। इसके उपरांत प्रातः 8:50 बजे माया शर्मा की ओर से दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

मौसम आज से तीन दिन झमाझम बारिश की संभावना

बूंदाबांदी होने के बाद बढ़ी उमस गर्मी ने जमकर निकाला पसीना

रेवाड़ी। रविवार शाम को शहर में छाए बरसात के बादल। फोटो : हरिभूमि

- अभी तक पहली बारिश 3.0 एमएम तक सीमित रही

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। मानसून की अच्छी बारिश नहीं होने के कारण अभी तक गर्मी का असर बरकरार है। बूंदाबांदी होने के बाद उमस ज्यादा परेशान करती है। सप्ताह की शुरूआत झमाझम बारिश से होने की संभावना जताई जा रही है। तीन-चार दिन तक मध्यम से भारी बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। तीन दिन पहले मानसून की बारिश तो हुई, लेकिन इसके बाद बरसात का सिलसिला थम गया। आसमान में बादल गहराने के बाद बूंदाबांदी तक मौसम सीमित रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 3.0 डिग्री बढ़कर 38.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 1.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 65 प्रतिशत तक रहा। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर के समय जिले के कुछ इलाकों में बौछारें गिरीं। एक बार बादल साफ होने के बाद धूप निकली तो उमस ने लोगों का जीना हराम कर दिया। चिपचिपाहट भरी गर्मी ने शाम तक लोगों का पसीना सूखने नहीं दिया। कूलरों की हवा तक ने काम नहीं किया। मौसम विभाग के अनुसार रविवार रात से एक बार फिर मानसून की बारिश शुरू हो सकती है। सोमवार से तीन-चार दिन तक रुक-रुककर बारिश हो सकती है। अभी तक पहली बारिश 3.0 एमएम तक सीमित रही है। बारिश का सिलसिला शुरू होने के बाद मंगलवार से तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिल सकेगी।

फसलों को मिल रहा मौसम का फायदा

अभी तक अच्छी बरसात का इंतजार खत्म नहीं हुआ है। इसके बावजूद बार-बार हो रही हल्की बरसात या बूंदाबांदी भी खरीफ फसलों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। कपास और बाजरे की अगेती फसलों को अच्छा फायदा मिल रहा है। हालांकि 50 प्रतिशत से अधिक किसान अच्छी बारिश के अभाव में बाजरे की बिजाई नहीं कर पाए हैं। उन्हें मानसून की अच्छी बारिश का इंतजार है। बारिश होते ही बाजरे की बिजाई शुरू कर दी जाएगी।

नहर के पास पेड़ से लटका मिला युवती का शव

रेवाड़ी। रविवार सुबह आसलवास गांव के पास नहर किनारे खड़े पेड़ पर एक युवती का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। शव मिलने से आसपास के एरिया में सनसनी फैल गई। ग्रामीण सुबह के समय जब घूमने के लिए निकले तो जवाहरलाल नेहरू नहर के पास पेड़ से एक युवती का शव लटका हुआ दिखाई दिया। ग्रामीणों की सूचना पर कसोला पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी बुलाया गया। इसके बाद शव फंदे से उतारकर मृतका की पहचान कराने के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतका की उम्र लगभग 22 साल बताई जा रही है। उसके दाएं हाथ पर गमले में पौधे का टैटो गुदा हुआ है। पुलिस ने शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया, ताकि उसकी पहचान करवाई जा सके।

10th & 12th (NIOS)
ओपन से पास करें।